स्कूल चले हम

कमलेन्द्र कुमार*

टन-टन घंटी बुला रही है,
हम सबको यह बता रही है।
आओ प्यारे बच्चों आओ,
खेल-खेल में शिक्षा पाओ।
रंग-बिरंगे फूलों जैसे,
खूब खिले हम।
स्कूल चले हम ।।1।।

सबसे प्यारा सबसे न्यारा,
है सुंदर स्कूल हमारा।
फूल खिले हैं सुंदर-सुंदर,
बालवाटिका उसके अंदर।
हँसी-ठिठोली कर आपस में,
खूब मिले हम।
स्कूल चले हम ।।2।।

धूम मचाते, शोर मचाते,
उछल कूद हम करते जाते।
नई तरंगें, नया जोश है,
नई लहर है, नया घोष है।
सुख-दुख आपस में बाटेंगें,
मिले जुले हम।
स्कूल चले हम ।।3।।

निपुण बनें हम सब ही बच्चे,
शिक्षक हमको लगते अच्छे।
बड़े प्यार से हमें पढ़ाएँ
और साथ हम गाना गाएँ।
फूल खिलाएँगे काटों में,
साथ पले हम।
स्कूल चले हम ।।4।।

**प्रधानाध्यापक,* प्राथमिक विद्यालय, डगरु का पुरवा, ब्लाक कुठौंद, जनपद जालौन, उत्तर प्रदेश 285 204